Durga Maa Ki Aarti – माँ दुर्गा की आराधना का महत्व

हिंदू धर्म में माँ दुर्गा शक्ति और भक्ति की प्रतीक मानी जाती हैं। माँ की उपासना नवरात्रि, दुर्गा अष्टमी, नवमी या किसी भी शुभ अवसर पर विशेष रूप से की जाती है। भक्तजन माँ को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए ***Durga Maa Ki Aarti*** गाते हैं। यह आरती भक्तों के मन को शांति, घर-परिवार में सुख-समृद्धि और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है।

Durga Maa ki Aarti Lyrics

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी
तुमको निशिदिन ध्यावत, हरि ब्रह्मा शिवरी !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

माँग सिन्दूर विराजत, टीको मृगमद को !
उज्जवल से दोउ नैना, चन्द्रवदन नीको !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

कनक समान कलेवर, रक्ताम्बर राजै !
रक्तपुष्प गल माला, कण्ठन पर साजै !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

केहरि वाहन राजत, खड्ग खप्परधारी !
सुर-नर-मुनि-जन सेवत, तिनके दुखहारी !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती !
कोटिक चन्द्र दिवाकर, सम राजत ज्योति !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

शुम्भ-निशुम्भ बिदारे, महिषासुर घाती !
धूम्र विलोचन नैना, निशिदिन मदमाती !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

चण्ड-मुण्ड संहारे, शोणित बीज हरे !
मधु-कैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

ब्रहमाणी रुद्राणी तुम कमला रानी !
आगम-निगम-बखानी, तुम शिव पटरानी !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

चौंसठ योगिनी मंगल गावत, नृत्य करत भैरूँ !
बाजत ताल मृदंगा, अरु बाजत डमरु !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता !
भक्तन की दु:ख हरता, सुख सम्पत्ति करता !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

भुजा चार अति शोभित, वर-मुद्रा धारी !
मनवान्छित फल पावत, सेवत नर-नारी !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

कन्चन थाल विराजत, अगर कपूर बाती !
श्रीमालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योति !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

श्री अम्बेजी की आरती, जो कोई नर गावै !
कहत शिवानन्द स्वामी, सुख सम्पत्ति पावै !!
॥ॐ जय अम्बे गौरी॥

माँ दुर्गा की आरती करना माँ दुर्गा की कृपा पाने का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। भक्ति और श्रद्धा से की गई आरती जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा लाती है।

माँ दुर्गा की आरती का महत्व

माँ दुर्गा की आरती करना केवल पूजा नहीं, बल्कि आत्मा और वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भरने का साधन है। इसके मुख्य लाभ इस प्रकार हैं:

1. आध्यात्मिक शक्ति- श्रद्धा से आरती करने पर मन और आत्मा मजबूत होते हैं। आलस्य और नकारात्मकता दूर होकर आत्मविश्वास बढ़ता है।

2. सकारात्मक वातावरण- दीपक, धूप और आरती से घर का माहौल पवित्र होता है। नकारात्मक शक्तियाँ दूर रहती हैं और परिवार में शांति बनी रहती है।

3. मनोकामना पूर्ति- माँ दुर्गा भक्तों की प्रार्थनाएँ सुनती हैं। भक्ति भाव से की गई आरती जीवन की समस्याओं और इच्छाओं को पूरा करने में सहायक होती है।

4. भय और कष्ट से मुक्ति- माँ दुर्गा संकट हरने वाली देवी हैं। आरती से बाधाएँ कम होती हैं और मन में साहस व निडरता आती है।

इस तरह, **Durga Maa Ki Aarti** भक्तों के जीवन में न केवल धार्मिक महत्व रखती है बल्कि यह मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से भी बेहद लाभकारी है।

माँ दुर्गा की आरती कैसे करें?

- सबसे पहले माँ दुर्गा की प्रतिमा या चित्र को साफ-सुथरे स्थान पर स्थापित करें। इससे पूजा का वातावरण पवित्र और शुभ बनता है।
- दीपक जलाकर, फूल चढ़ाएँ और अगरबत्ती व प्रसाद अर्पित करें। यह माँ के प्रति भक्ति और सम्मान दर्शाता है।
- अब श्रद्धा और विश्वास के साथ दुर्गा माँ की आरती करें। थाली को दीपक सहित घुमाएँ और माँ के जयकारे लगाएँ।
- अंत में सभी परिवारजन मिलकर प्रसाद ग्रहण करें। इससे घर में सुख-शांति और आपसी प्रेम बढ़ता है।

Keywords-

maa durga ji ki aarti
durga maa ki aarti lyrics
maa durga ji ki aarti lyrics
maa durga ki aarti lyrics